RNI NO. 53791/93

दैनिक विशेष गरिमा समाचार
पत्र में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, गुजरात, झारखंड, उत्तराखण्ड, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, पंजाब, मेघालय, जम्मू कश्मीर, उड़ीसा, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, गोवा एवं केरल से पत्रकार जुड़े।
contact us:email:
visheshgarima@gmail.com
Mobile.9314017636, 8209073743

विशेष गरिमा

जयपुर व शिमला से एक साथ प्रसारित

आप अपने संस्थान के समाचार हमें दैनिक विशेष गरिमा, VG NEWS चैनल एवं पोर्टल www.visheshgarima.page में प्रकाशन हेतु vishesh-garima @gmail.com पर भेज सकते हैं।
व्हाटसअप - 9314017636

वर्षः 15 | अंक : 144 | जयपुर, गुरूवार, 11 दिसंबर 2025 | हिंदी दैनिक | पृष्ठः4 | मूल्यः 1 रुपए

ब्रेकिंग न्यूज़

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने महिला पत्रकार को आंख मारी

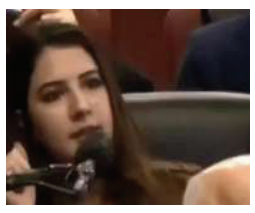

नई दिल्ली। पाकिस्तान की सेना की मीडिया विंग ISPR के प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान एक महिला पत्रकार को आंख मारी है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पत्रकार अब्सा कोमान ने चौधरी से पूछा था कि इमरान खान पर लगाए जा रहे आरोप जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा, एंटी-स्टेट और दिल्ली के इशारों पर काम करना पहले के आरोपों से कैसे अलग हैं और क्या आगे कोई नई कार्रवाई की उम्मीद है। इस पर चौधरी ने तंज करते हुए कहा- एक चौथा पॉइंट जोड़ लें, वह (इमरान खान) एक जेहनी मरीज भी हैं। यह कहते हुए उन्होंने मुस्कराकर पत्रकार को आंख मारी, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी ट्रोलिंग शुरू हो गई। एक यूजर ने X पर लिखा कि यह सब कैमरे के सामने हो रहा है। पाकिस्तान में लोकतंत्र खत्म हो चुका है। एक अन्य यूजर ने कहा कि ये देश मजाक बन चुका है।

नडेला बोले- भारत का AI मॉडल कॉपी नहीं हो सकता

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और CEO सत्य नडेला अभी भारत के दौरे पर हैं, जिसकी थीम है- 'लीडिंग इन द न्यू एज ऑफ AI'। बुधवार को नडेला ने अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी से मुलाकात की। इससे पहले मंगलवार को नडेला PM मोदी से मिले थे और दोनों ने भारत की AI रोडमैप और ग्रोथ प्रायोरिटीज पर बात की। इसके बाद माइक्रोसॉफ्ट ने भारत में 17.5 बिलियन डॉलर (करीब 1.6 लाख करोड़ रुपए) निवेश की घोषणा की। कंपनी की प्रेस रिलीज के मुताबिक ये निवेश भारत के तेजी से बढ़ते AI इकोसिस्टम को सपोर्ट करेगा। कंपनी AI को बढ़ती जनसंख्या के हिसाब से लागू करेगी, यानी हर आदमी तक इसकी पहुंच आसानी से हो जाए, इसके लिए काम करेगी।

यूक्रेन शांति पर दुनिया के बड़े नेता एकजुट, ट्रंप से मैक्रों-मर्ज-स्टार्मर की अहम वार्ता

विशेष गरिमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन में शांति को लेकर दुनिया के बड़े नेता एकजुट हुए हैं। इस कड़ी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, ब्रिटेन कीएर स्टार्मर ने फोन पर अहम बातचीत की है। फ्रांस के एक अधिकारी ने बताया कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने आज अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत की। यह बातचीत यूक्रेन में शांति प्रयासों को लेकर हुई, जिसे इस समय बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अधिकारी के अनुसार, चारों नेताओं ने अमेरिका की अगुवाई में चल रही मध्यस्थता प्रक्रिया की ताजा स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने यूक्रेन में मजबूत और लंबे समय तक टिकने वाली शांति स्थापित करने के लिए जारी कोशिशों का स्वागत किया। सभी नेताओं ने कहा कि हिंसा और जान-माल के नुकसान को रोकना अभी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इस बातचीत में यह भी माना गया कि आने वाले कुछ दिन बेहद महत्वपूर्ण हैं, इसलिए बातचीत और सभी तरह के कूटनीतिक प्रयास लगातार जारी रहेंगे। सभी नेताओं ने मिलकर कहा कि यह समय यूक्रेन, उसके लोगों और पूरे यूरो-एटलांटिक क्षेत्र की सामूहिक सुरक्षा के लिए निर्णायक है। बता दें कि, इससे एक दिन पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने लंदन में कई यूरोपीय नेताओं संग बैठक की थी। इस दौरान ब्रिटिश पीएम स्टार्मर ने स्पष्ट किया था कि, 'हम जेलेंस्की पर किसी समझौते का दबाव नहीं डालेंगे।' रूस-यूक्रेन शांति योजना में सबसे बड़ा विवादास्पद मुद्दा यह है कि क्या यूक्रेन को डोनबास क्षेत्र का हिस्सा रूस को सौंपना पड़ेगा।

पीएम मोदी-नेतन्याहू की बातचीत के बाद इस्राइल PMO का बयान

विशेष गरिमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार (10 दिसंबर) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। जिसमें दोनों नेताओं ने 'बहुत जल्द' मुलाकात करने पर सहमति जताई है। यह जानकारी इस्राइल प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) ने साझा की। नेतन्याहू और पीएम मोदी के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत के बारे में बताते हुए इस्राइल पीएमओ ने एक सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया।

पीएमओ की ओर से सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में कहा गया, "गर्मजोशी भरी और मित्रतापूर्ण बातचीत के अंत में दोनों नेताओं ने बहुत जल्द मिलने पर सहमति दी।" मालूम हो कि दोनों नेताओं ने आपसी बातचीत में भारत–इस्राइल रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। इस्राइली प्रधानमंत्री की यह बहुप्रतीक्षित यात्रा दोनों तरफ से कई उच्च-स्तरीय मंत्री स्तरीय यात्राओं के बाद होगी। इस साल इस्राइल के पर्यटन मंत्री हैम काट्ज, अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री नीर बरकत, कृषि और खाद्य सुरक्षा मंत्री एवी डिचटर तथा वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच भारत का दौरा कर चुके हैं। ये सभी दौरे दोनों रणनीतिक साझेदार देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) को अंतिम रूप देने की दिशा में बढ़ते कदमों को दर्शाते हैं। दोनों देशों ने स्मोट्रिच की यात्रा के दौरान एक द्विपक्षीय निवेश संधि (BIT) पर हस्ताक्षर किए और फिर पिछले महीने वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की इस्राइल यात्रा के दौरान FTA की ओर ले जाने वाले नियमों और शर्तों (TOR) पर हस्ताक्षर किए। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि दिल्ली धमाकों के बाद सुरक्षा कारणों से नेतन्याहू ने भारत की यात्रा स्थगित कर दी है, लेकिन इस्राइल पीएमओ ने इन दावों को खारिज कर दिया था। साथ ही इस्राइल ने भारत की सुरक्षा व्यवस्था पर 'पूरा भरोसा' जताते हुए कहा कि नेतन्याहू की यात्रा को लेकर दोनों देश तारीखों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं।

लोकसभा में अमित शाह के भाषण के बीच राहुल गांधी ने दिया चैलेंज, गृह मंत्री ने दिया जवाब

विशेष गरिमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में चुनावी सुधारों पर भाषण दिया। उन्होंने विपक्ष के सवालों का जवाब दिया और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर अमित शाह ने कहा कि 2004 तक इसका किसी ने विरोध नहीं किया, लेकिन अब विरोध हो रहा है। अमित शाह के भाषण के बीच ही लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी खड़े होकर उन्हें चैलेंज कर दिया। इसके बाद अमित शाह ने जवाब दिया।

अमित शाह जब चुनावी सुधारों पर बोल रहे थे तब राहुल गांधी ने गृह मंत्री को SIR पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिबेट की चुनौती दे दी। इस बीच अमित शाह ने कहा कि मैं पिछले 30 साल से संसद या विधानसभा में चुनकर आ रहा हूं, ऐसा कभी नहीं हुआ। अमित शाह ने कहा कि मेरे बोलने का क्रम मैं तय करूंगा आप नहीं। इसके बाद राहुल गांधी फिर खड़े हुए और कहा कि गृहमंत्री ने डरा हुआ और घबराया हुआ जवाब दिया है, यह सच्चा जवाब नहीं है। इसके तुरंत बाद अमित शाह ने कहा कि मैंने आपके चेहरे पर चिंता की लकीर देख ली है, मैं आपके उकसावे में नहीं आऊंगा और अपने क्रम में ही बोलूंगा। अमित शाह ने कहा कि मेरा भाषण मेरे हिसाब से चलेगा। उन्होंने कहा कि आप विपक्ष के नेता हैं, बोलने का अधिकार है लेकिन मुझे समझ में आता है कि वह ऐसा क्यों बोल रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि आपको हमारी भी सुनानी चाहिए, हमने कल आपके बीच में खड़े होकर नहीं कहा कि आप झूठ बोल रहे हैं। उसके बाद सदन हंसने लगा। अमित शाह ने कहा, "विपक्ष के नेता राहुल गांधी जी ने 5 नवंबर 2025 को एक प्रेस वार्ता में एक 'परमाणु बम' फोड़ा। उस 'परमाणु बम' में उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में एक ही घर में 501 वोट पड़े हुए हैं। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि हाउस नंबर 265 कोई छोटा मकान नहीं है।

रोहित नंबर-1, साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 शतक लगाने वाले विराट नंबर-2

विशेष गरिमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ICC वनडे बैटिंग रैंकिंग में एक बार फिर रो-को यानी रोहित शर्मा और विराट कोहली का जलवा बरकरार है। नंबर-1 पर पूर्व कप्तान रोहित शर्मा हैं। वहीं साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार लगातार दो शतक और एक अर्धशतक लगाने वाले विराट कोहली नंबर-2 पर आ गए हैं। ICC ने बुधवार को वीकली रैंकिंग जारी की। साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में 302 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए विराट ने दो स्थान की बढ़त हासिल की है। रोहित उनसे सिर्फ आठ रेटिंग पॉइंट आगे हैं। रोहित ने सीरीज में 146 रन बनाए थे। भारत अब अगला वनडे टूर्नामेंट न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से खेला जाना है। तब सबकी नजरें कोहली-रोहित की नंबर-1 की रेस पर होंगी। केएल राहुल को भी फायदा कोहली के अलावा केएल राहुल को भी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में फायदा हुआ है। राहुल दो स्थान ऊपर चढ़कर 12वें नंबर पर पहुंच गए। बॉलर्स में कुलदीप यादव तीन स्थान की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। साउथ अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक (13वें), ऐडन मार्करम (25वें) और टेम्बा बावुमा (37वें) ने भी रैंकिंग में बढ़त हासिल की। टी-20 रैंकिंग भारतीय बॉलर्स को फायदा टी-20 रैंकिंग में साउथ अफ्रीका के यंग बैटर डेवॉल्ड ब्रेविस अपने पहले मैच में शानदार अर्धशतक लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

अमेरिका में पायलट ने इमरजेंसी में सड़क पर उतारा, बाल-बाल बची ड्राइवर

विशेष गरिमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के फ्लोरिडा में सोमवार को क्रैश लैंडिंग के दौरान एक प्लेन कार से टकरा गया। यह हादसा मेरिट आइलैंड के पास हुआ, जहां हाईवे पर एक छोटा विमान इमरजेंसी लैंडिंग करते हुए सीधा एक कार से टकरा गया। इस हादसे का वीडियो वायरल है। बीचक्राफ्ट 55 मॉडल के इस छोटे प्लेन में उड़ान के दौरान अचानक खराबी आ गई। दोनों इंजनों में पावर खत्म होने लगी, तो 27 साल के पायलट ने प्लेन को मजबूरन हाईवे पर ही उतारने का फैसला किया। हाईवे पर ट्रैफिक था, इसलिए उतरते समय प्लेन एक टोयोटा कैमरी कार से टकरा गया। कार को एक बुजुर्ग महिला चला रही थीं, जोकि इस घटना में घायल हो गई हैं। कार चला रही महिला को हादसे के बाद स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रेप के आरोपी का एनकाउंटर

विशेष गरिमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के राजकोट जिले के आटकोट क्षेत्र में 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी का पुलिस ने एनकाउंटर किया है। आरोपी ने रिमांड के दौरान पुलिस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया था। पुलिस ने आरोपी के दोनों पैरों में गोली मारी। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आरोपी ने राजकोट के पास कानपर गांव की सीमा में दिल्ली निर्भया कांड जैसी क्रूर घटना को अंजाम दिया था। खेत में खेल रही 6 साल की बच्ची को झाड़ियों में खींच ले गया। दुष्कर्म के बाद उसके प्राइवेट पार्ट में रॉड डाल दी थी। आरोपी मध्यप्रदेश के आलीराजपुर का रहने वाला है। घटना के कुछ ही घंटों में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। इससे पहले आरोपी को कोर्ट में पेश कर 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था। पुलिस ने बताया कि वारदात में इस्तेमाल किया गया हथियार खेत में फेंकने की जानकारी आरोपी ने ही दी थी। एसपी राजकोट विजय सिंह गुर्जर ने कहा कि आरोपी ने बच्ची को देखकर विकृत मानसिकता में यह अपराध किया था। मामले में आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर आगे की जांच जारी है। राजकोट ग्रामीण एसपी विजय सिंह गुर्जर के मुताबिक पीड़िता मूल रूप से दाहोद जिले की रहने वाली है। परिवार खेतों में मजदूरी करता है। आरोपी ने दुष्कर्म के बाद बच्ची के प्राइवेट पार्ट में रॉड घोंप दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। बच्ची दर्द से कराहती रही, लेकिन आरोपी उसे वहीं लहूलुहान हालत में छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने 10 टीम बनाकर 10 किलोमीटर के दायरे में लगे CCTV खंगाले।

इंडिगो संकट पर दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार को फटकार लगाई

4 हजार का टिकट 30 हजार तक कैसे पहुंचा; DGCA इंडिगो हेडक्वार्टर में स्टाफ भेजेगा

विशेष गरिमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो संकट पर दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार को फटकार लगाई। अदालत ने पूछा कि जब एयरलाइन फेल हो गई थी, तब सरकार ने क्या किया। फ्लाइट्स की टिकट की कीमतें 4-5 हजार रुपए से बढ़कर 30,000 रुपए तक कैसे पहुंच गईं। अन्य एयरलाइंस ने इसका फायदा कैसे उठाया। आपने क्या कार्रवाई की? आपने ही स्थिति को इस हाल तक पहुंचने दिया।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेदेला की डिवीजन बेंच जनहित याचिका (PIL) की सुनवाई कर रही थी। इसमें मांग की गई थी कि इंडिगो संकट की स्वतंत्र न्यायिक जांच की जाए और जिन लोगों की फ्लाइट रद्द हुई या जो एयरपोर्ट पर फंसे, उन्हें मुआवजा दिया जाए।

इस दौरान कोर्ट ने कहा कि यह सिर्फ यात्रियों का व्यक्तिगत मामला नहीं है, बल्कि इससे देश को आर्थिक नुकसान भी हुआ है। सरकार को सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में इस तरह की स्थिति दोबारा न पैदा हो।

इधर, DGCA (नागरिक उड्डयन नियामक) ने इंडिगो के CEO पीटर एल्बर्स को गुरुवार दोपहर 3 बजे समन भेजकर बुलाया है। वहीं, DGCA ने इंडिगो हेडक्वार्टर के अंदर स्टाफ तैनात करने का फैसला लिया है।

हाईकोर्टः सरकार से क्या उम्मीद रखते हैं। क्या आपने आज अखबार पढ़ा। याचिकाकर्ताः फ्लाइट रद्द होने की संख्या कम हुई है। हाईकोर्टः अब आप क्या चाहते हैं। कार्रवाई कर रही है। एएसजी चेतन शर्मा (सरकार की ओर से)ः सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। किराए पर कैप लगाया गया है।। हाईकोर्टः यात्रियों के साथ एयरलाइन कर्मचारियों का व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए। पायलट के काम के घंटे की गाइडलाइन समय पर क्यों लागू नहीं की गई। एएसजीः फेयर कैपिंग बहुत सख्त तरीके से की गई। कोर्टः यह कार्रवाई 4-5 दिन बाद हुई। टिकट जो 4-5 हजार रुपये में उपलब्ध था, उसके दाम 30,000 रुपये तक क्यों बढ़ गए? कोर्टः यह सिर्फ फंसे हुए यात्रियों का मामला नहीं है, आर्थिक नुकसान भी हुआ है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में ऐसी स्थिति न बने।

सम्पादकीय

इंडिगो संकट ने खोली उद्योग की खामियां

इंडिगो में उत्पन्न संकट उस बड़ी उथल-पुथल को दर्शाता है जो कंपनी क्षेत्र में बड़ी समस्याओं का कारण रही है। किंगफिशर एयरलाइंस से लेकर इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग ऐंड फाइनैंशियल सर्विसेज लिमिटेड तक में मचे बवाल की जड़ भी इसी से जुड़ी हुई है। इनमें कई स्तरों (कार्यकारी प्रबंधन और निदेशकमंडल के साथ-साथ क्षेत्रीय नियामक) पर सामूहिक विफलता खुलकर सामने आई है। इससे भारतीय कंपनी संचालन ढांचे में व्याप्त खामियां उजागर होती हैं। इंडिगो ने समय सीमा के पालन के दबाव और ऊंची लागत से जूझते विमानन क्षेत्र में ऊंची उड़ान भरी और मुनाफा भी खूब कमाया। मौजूदा संकट शुरू होने से पहले कंपनी प्रतिदिन 700 गंतव्यों के लिए 2,700 से अधिक उड़ानें संचालित करती थी।अन्य अधिसूचित विमानन कंपनियों के साथ इंडिगो को भी पिछले साल जनवरी में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा अधिसूचित उन्नत उड़ान कार्य समय सीमा (एफडीटीएल) नियमों के अनुरूप पायलट भर्ती कार्यक्रम संचालित करने के लिए एक वर्ष से अधिक समय मिला था। परिचालन के लिहाज से नए एफडीटीएल नियम वर्ष 2025 में किसी भी विमानन कंपनी के लिए एक महत्त्वपूर्ण निर्देश थे जिनके साथ तालमेल बैठाना उसके लिए अनिवार्य था। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार इंडिगो की 2023-24 और 2024-25 की सालाना रिपोर्ट में नए नियमों का कहीं उल्लेख नहीं था। न ही ये नियम इस विमानन कंपनी की जोखिम प्रबंधन रिपोर्ट में ही शामिल थे। इसका सीधा मतलब तो यही निकाला जा सकता है कि इंडिगो इन नए नियमों से उत्पन्न होने वाली परिचालन चुनौतियों का अंदाजा नहीं लगा पाई और न ही उनके लिए पर्याप्त रूप से तैयारी ही की। इस पूरे प्रकरण से इंडिगो की बुनियादी कार्य क्षमताओं पर सवाल उठता है। इस विफलता से व्यापार एवं उद्योग जगत की नामी हस्तियों वाले इंडिगो बोर्ड की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठते हैं। इंडिगो के बोर्ड में भारतीय वायु सेना के एक पूर्व प्रमुख, अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन के एक पूर्व प्रमुख, एक अमेरिकी विमानन कंपनी के वर्तमान मुख्य परिचालन अधिकारी, शेल के एक पूर्व मुख्य कार्याधिकारी और भारतीय प्रतिभूति बाजार नियामक (सेबी) के पूर्व अध्यक्ष जैसी बड़ी हस्तियां शामिल हैं। इंडिगो का कहना है कि उसके बोर्ड ने संकट शुरू होने के दिन से ही पूरे घटनाक्रम की निगरानी के लिए एक संकट प्रबंधन समूह का गठन किया। मगर आश्चर्य की बात यह है कि बड़े शूरमाओं खासकर विमानन उद्योग से ताल्लुक रखने वाले लोगों से खचाखच भरे कंपनी के बोर्ड ने अपने कर्तव्यों का पालन करने और संकट शुरू होने से पहले नए एफडीटीएल नियमों को लेकर प्रबंधन की योजनाओं पर सवाल उठाने की जहमत नहीं की। इंडिगो संकट डीजीसीए को भी कठघड़े में खड़ा करता है। ऐसी खबरें हैं कि सरकार इस विमानन कंपनी के बोर्ड का पुनर्गठन चाह रही है जो लगातार कई दिनों से चले आ रहे विमानन क्षेत्र में इस संकट के प्रति उसकी चिंता को दर्शाती है। संसद में नागर विमानन मंत्री ने कहा कि डीजीसीए इस बात की निगरानी कर रहा था कि विमानन कंपनियां नए एफडीटीएल नियमों का अनुपालन कर रही हैं या नहीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भारत को चावल की धमकी का क्या होगा असर

अशोक भाटिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी किसानों को 12 अरब डॉलर के आर्थिक सहायता पैकेज की घोषणा की, जो उनकी ही लगाई गई टैरिफ नीतियों से प्रभावित हुए हैं। इस बीच, ट्रंप ने व्हाइट हाउस मीटिंग में किसानों से कहा, वो लोग डंपिंग नहीं कर सकते। ऐसा नहीं कर सकते। उन्होंने विशेष रूप से भारत, वियतनाम और थाईलैंड से आने वाले सस्ते चावल आयात को अमेरिकी चावल उत्पादकों के लिए खतरा बताया। किसान संगठनों के अनुसार, इन आयातों से अमेरिकी चावल की कीमतें गिर रही हैं, जिससे स्थानीय उत्पादक परेशान हैं।

ईस साल ट्रंप ने भारत से आने वाले सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए थे, जिसका हवाला उन्होंने व्यापार बाधाओं और ऊर्जा खरीद से जुड़े मुद्दों का दिया था। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह भारत का दौरा करने वाला है ताकि व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाया जा सके, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि कोई बड़ा समझौता होने की संभावना कम है। ट्रंप ने कनाडा के साथ भी व्यापारिक तनाव बढ़ाया है, जहां उन्होंने उर्वरकों पर बहुत कड़े टैरिफ लगाने की बात कही ताकि अमेरिकी उत्पादन को बढ़ावा मिले।

इसी सिलसिले में ट्रंप ने भारत पर सस्ते चावल की डंपिंग का आरोप लगाते हुए नए टैरिफ लगाने का संकेत भी दिया है। इससे भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में तनाव बढ़ सकता है। अमेरिकी किसान सस्ते आयात से नुकसान की शिकायत कर रहे हैं, जबकि ट्रंप ने कनाडाई खाद पर भी कड़े टैरिफ की धमकी दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी किसानों को 12 अरब डॉलर के आर्थिक सहायता पैकेज की घोषणा की, जो उनकी ही लगाई गई टैरिफ नीतियों से प्रभावित हुए हैं। इस बीच, ट्रंप ने व्हाइट हाउस मीटिंग में किसानों से कहा, वो लोग डंपिंग नहीं कर सकते। ऐसा नहीं कर सकते। उन्होंने विशेष रूप से भारत, वियतनाम और थाईलैंड से आने वाले सस्ते चावल आयात को अमेरिकी चावल उत्पादकों के लिए खतरा बताया। किसान संगठनों के अनुसार, इन आयातों से अमेरिकी चावल की कीमतें गिर रही हैं, जिससे स्थानीय उत्पादक परेशान हैं। ट्रंप ने वादा किया कि वह इस %डंपिंग% को रोकने के लिए कड़े कदम उठाएंगे, जिसमें नए टैरिफ शामिल हो सकते हैं। दूसरी ओर, ट्रंप की टैरिफ नीतियां

अमेरिकी किसानों को ही नुकसान पहुंचा रही हैं। चीनी व्यापार युद्ध के कारण चीन ने अमेरिकी सोयाबीन और ज्वार की खरीद कम कर दी है, जिससे किसानों को लगातार नुकसान हो रहा है। अमेरिकी सोयाबीन एसोसिएशन के अनुसार, 2025 में सोयाबीन किसान तीसरे साल लगातार घाटे में हैं। टैरिफ से बीज और उर्वरक की कीमतें भी बढ़ गई हैं। फूड एंड एग्रीकल्चरल पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुमान से 2026 में किसानों की कुल आय में 30 अरब डॉलर से अधिक की कमी आ सकती है। 12 अरब डॉलर के पैकेज की घोषणा इसी संदर्भ में हुई है। ट्रंप ने कहा, हम टैरिफ से मिली आय का एक छोटा हिस्सा किसानों को आर्थिक सहायता के रूप में दे रहे हैं। हम अपने किसानों से प्यार करते हैं। इसमें से 11 अरब डॉलर नए फार्मर ब्रिज असिस्टेंस कार्यक्रम के तहत रो क्रॉप किसानों (जैसे सोयाबीन उत्पादक) को दिए जाएंगे, जो व्यापार विवादों और बढ़ती लागतों से प्रभावित हैं। शेष एक अरब डॉलर के आवंटन पर अभी विचार चल रहा है। इस साल किसानों को पहले ही आपदा राहत और आर्थिक सहायता के रूप में 40 अरब डॉलर की सब्सिडी मिल चुकी है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि चीन के साथ हालिया समझौते से स्थिति सुधरेगी, जिसमें बीजिंग ने साल के अंत तक 1।2 करोड़ मीट्रिक टन अमेरिकी सोयाबीन खरीदने का वादा किया है। अगले तीन सालों के लिए यह मात्रा सालाना 2।5 करोड़ मीट्रिक टन तक बढ़ाई जाएगी, हालांकि 2025 में अब तक केवल एक छोटा हिस्सा ही खरीदा गया है। ट्रंप के किसान समर्थक वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए यह पैकेज राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। किसान संगठनों ने सहायता का स्वागत किया है, लेकिन लंबे समय तक टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए व्यापार समझौतों की मांग की है। भारत सरकार ने अभी तक इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन व्यापार मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, दिल्ली वार्ताओं में मुद्दों को सुलझाने की कोशिश की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में डंपिंग का मतलब है कि कोई देश अपनी वस्तु को दूसरे देश में उसकी घरेलू कीमत या उत्पादन लागत से बहुत कम दाम पर बेचता है। चावल की डंपिंग से तात्पर्य है कि भारत जैसे देश अमेरिका में चावल को इतना सस्ता बेच रहे हैं कि अमेरिकी किसान अपना उत्पादन बेच भी नहीं पाते। नतीजा यह होता है कि अमेरिकी बाजार में विदेशी चावल का हिस्सा तेजी से बढ़ जाता है और स्थानीय किसानों की कमाई घट जाती है या वे घाटे में चले जाते हैं।

भारत पर डंपिंग का आरोप इसलिए लग रहा है चूँकि भारत में चावल पैदा करने की लागत दुनिया में सबसे कम है - एक टन गैर-बासमती चावल की लागत मात्र 15-18 हजार रुपये (लगभग 180-220 डॉलर) पड़ती है, जबकि अमेरिका में यही लागत 38-45 हजार रुपये (450-550 डॉलर) तक होती है। इसका कारण है - सस्ती मजदूरी, मुफ्त/सब्सिडी वाली बिजली, भारी सब्सिडी वाले खाद-बीज और सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बड़े पैमाने पर खरीद। सरकार इतना चावल खरीद लेती है कि किसान को बाजार की चिंता नहीं रहती। फिर यह चावल निर्यातकों के पास जाता है और दुनिया में जितना भी दाम मिले, बेच दिया जाता है - अक्सर अमेरिकी किसानों की लागत से भी कम में। खासकर टूटा चावल (ब्रोकन राइस) और निम्न श्रेणी का सफेद चावल अमेरिका में बीयर बनाने, पालतू जानवरों के खाने और प्रोसेस्ड फूड में इस्तेमाल होता है, जिसकी कीमत 2025 में 350-380 डॉलर प्रति टन तक गिर गई है।

दरअसल विश्व व्यापार संगठन के नियमों में डंपिंग तभी अवैध मानी जाती है जब आयात करने वाला देश साबित कर दे कि (1) निर्यात मूल्य घरेलू मूल्य या उत्पादन लागत से कम है, (2) इससे स्थानीय उद्योग को भारी नुकसान हो रहा है, और (3) नुकसान का सीधा कारण वही सस्ता आयात है। अमेरिका ने पहले भी भारत के चावल पर एंटी-डंपिंग जांच शुरू की है, लेकिन ज्यादातर मामलों में भारत बच जाता है क्योंकि टूटा चावल की घरेलू कीमत तुलना करना मुश्किल होता है और भारत कहता है कि हमारी सब्सिडी किसानों के लिए है, निर्यात के लिए नहीं। फिर भी 2025 में अमेरिकी किसानों का गुस्सा इतना बढ़ गया है कि ट्रंप ने नए टैरिफ लगाने की धमकी दी है। यही वजह है कि इसे चावल डंपिंग का मामला कहा जा रहा है।

यूनिसेफ दिवसः बच्चों के अधिकार और मानवता की साझा प्रतिबद्धता !

सुनील कुमार महला

वास्तव में, यहां यदि हम सरल शब्दों में कहें तो इनमें क्रमशः स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छ पानी, स्वच्छता, सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसी बुनियादी आवश्यकताएँ शामिल हैं। यह हर बच्चे को जीवन के शुरुआती वर्षों में आवश्यक देखभाल, टीकाकरण, पोषण और संरक्षण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देता है, ताकि उनका विकास मजबूत नींव पर हो सके। यूनिसेफ बच्चों को गरीबी, असमानता, हिंसा, भेदभाव और विभिन्न जोखिमों से बचाने के लिए निरंतर काम करता है और आपदाओं, युद्ध या किसी भी मानवीय संकट के दौरान बच्चों एवं परिवारों को तत्काल राहत और पुनर्वास उपलब्ध कराता है।

11 दिसंबर को यूनिसेफ स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। यूनिसेफ मतलब यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रंस फंड। यानी कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष। पाठकों को बताता चलूं कि यूनिसेफ एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जो बच्चों के अधिकारों, कल्याण, विकास एवं सुरक्षा के लिए काम करता है तथा इसकी स्थापना 1946 में हुई थी।यह दिवस संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बच्चों की तबाही, उन्हें कुपोषण से बचाने, आपदा प्रभावित बच्चों की मदद करने, स्वास्थ्य और शिक्षा आदि को सुनिश्चित करने के लिए स्थापित किया गया था। प्रारंभ में इसे बच्चों की आपातकालीन मदद के लिए स्थापित किया गया था; लेकिन बाद में इसका कार्यक्षेत्र बच्चों के दीर्घकालीन विकास, स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, संरक्षण आदि की ओर विस्तारित हुआ। कहना ग़लत नहीं होगा कि इस संस्था यानी कि यूनिसेफ ने समय के साथ-साथ कई अंतरराष्ट्रीय अभियानों, कार्यों और साझेदारियों के जरिये दुनिया भर में बच्चों के अधिकारों और भलाई के लिए अपना महत्वपूर्ण और अहम् योगदान दिया है। वास्तव में सच तो यह है कि यूनिसेफ का मूल उद्देश्य दुनिया भर के बच्चों की भौतिक(अच्छा भोजन, साफ पानी, सुरक्षित घर, टीकाकरण, इलाज, साफ-सफाई और खतरों से सुरक्षा), मानसिक (बच्चे में सकारात्मक सोच का विकास करना तथा बच्चे को भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करना) और सामाजिक भलाई(समाज में सम्मानजनक स्थान प्रदान करना,घर व स्कूल में सुरक्षित व सहयोगी वातावरण प्रदान करना)सुनिश्चित करना है। वास्तव में, यहां यदि हम सरल शब्दों में कहें तो इनमें क्रमशः स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छ पानी, स्वच्छता, सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसी बुनियादी आवश्यकताएँ शामिल हैं। यह हर बच्चे को जीवन के शुरुआती वर्षों में आवश्यक देखभाल, टीकाकरण, पोषण और संरक्षण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देता है, ताकि उनका विकास मजबूत नींव पर हो सके। यूनिसेफ बच्चों को गरीबी, असमानता, हिंसा, भेदभाव और विभिन्न जोखिमों से बचाने के लिए निरंतर काम करता है और आपदाओं, युद्ध या किसी भी मानवीय संकट के दौरान बच्चों एवं परिवारों को तत्काल राहत और पुनर्वास उपलब्ध कराता है। शिक्षा को सार्वभौमिक अधिकार मानते हुए यह सुनिश्चित करता है

कि लड़कियों, वंचित समुदायों और कमजोर समूहों के बच्चों तक शिक्षा की बराबर पहुँच बने, ताकि अवसरों की खाई कम हो सके। इसके साथ ही यूनिसेफ लैंगिक समानता, समावेशिता और बच्चों के सर्वांगीण, सुरक्षित और सकारात्मक विकास को बढ़ावा देता है, ताकि हर बच्चा समान अधिकारों और सम्मान के साथ एक बेहतर भविष्य की ओर बढ़ सके। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि

यूनिसेफ दिवस से जुड़ी कई ऐसी खास बातें हैं जिन्हें बहुत कम लोग जानते हैं। 1946 में यूनिसेफ की स्थापना वास्तव में एक अस्थायी संगठन के रूप में हुई थी, और इसका उद्देश्य केवल द्वितीय विश्व युद्ध में बुरी तरह प्रभावित यूरोप के बच्चों को भोजन, दवाइयाँ और मूलभूत सहायता पहुँचाना था। बाद में जब दुनिया भर में बच्चों की जरूरतें बढ़ती गईं, तो संगठन का स्वरूप भी वैश्विक हो गया और इसके नाम में से %एमरजेंसी% शब्द हटाकर इसे स्थायी, विकास-केंद्रित संस्था के रूप में विस्तारित किया गया। वास्तव में पहले इसका नाम %इंटरनेशनल चिल्ड्रंस एमरजेंसी फंड%(आइसीइएफ) था, लेकिन चूंकि इस संस्था का कार्य सिर्फ आपात स्थितियों तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि वैश्विक बच्चों के विकास तक फैल गया था, इसलिए %एमरजेंसी% शब्द को इससे हटा दिया गया था।बहुत कम लोगों को पता है कि यूनिसेफ को 1965 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, और यह सम्मान बच्चों के अधिकारों तथा उनकी सुरक्षा के लिए संस्थागत प्रयासों की ऐतिहासिक पहचान है। दूसरे शब्दों में कहें तो बच्चों को युद्ध, गरीबी और भूख से राहत देने के लिए यूनिसेफ को यह पुरस्कार प्रदान किया गया था। गौरतलब है कि यूनिसेफ को बहुत से लोग आज भी रेड क्रॉस संस्था की तरह मानते हैं, लेकिन इसका काम पूरी तरह अलग है। बहरहाल, बहुत कम लोग यह बात जानते होंगे कि आज यूनिसेफ विश्व का सबसे बड़ा वैक्सीन खरीदार है।दुनिया में लगाए जाने वाले बच्चों के टीकों का लगभग 40त्न अकेला यूनिसेफ खरीदता है, जिससे करोड़ों बच्चों तक समय पर टीकाकरण संभव हो पाता है। यूनिसेफ वह संस्था है जो बच्चों को आपदा, किसी युद्ध विशेष या गरीबी जैसी बहुत ही मुश्किल परिस्थितियों से बचाने के लिए %स्कूल-इन-अ-बॉक्स%, पोषण किट, दवाइयों के पैक और पढ़ाई की सामग्री आदि भेजता है और बच्चों को इन्हें भेजने से पहले इन सभी को पहले से बहुत ही अच्छे तरीके से जाँचा-परखा जाता है। इन्हें वैज्ञानिक तरीके से कई बार टेस्ट किया जाता है, ताकि ये हर तरह की चुनौतियों जैसे कि बाढ़, भूकंप, शरणार्थी शिविर या किसी भी आपात स्थिति में तुरंत और सुरक्षित रूप से काम आ सकें। कुल मिलाकर यूनिसेफ यह सुनिश्चित करता है कि जो भी सामान बच्चों तक पहुँचे, वह पूरी तरह भरोसेमंद, टिकाऊ और तुरंत उपयोग योग्य हो।एक और दिलचस्प तथ्य यह है कि भले ही यूनिसेफ 190 से अधिक देशों में काम करता है, लेकिन इसके उच्च-स्तर के संचालन और नीति-निर्माण केंद्र मात्र 7 वैश्विक हब-न्यूयॉर्क, जेनेवा, कोपेनहेगन, टोक्यो, फ्लोरेंस, ब्रुसेल्स और पनामा जैसे बड़े शहरों से संचालित होते हैं। इतना ही नहीं, यूनिसेफ ने दुनिया के शुरुआती ऐसे अभियानों में हिस्सा लिया था, जिनमें ईमोजी का उपयोग किसी सामाजिक उद्देश्य के लिए धन जुटाने में किया गया। वर्ष 2015 में एक खास नीला यूनिसेफ ईमोजी जारी किया गया था।

मूल्य आधारित सफलता के संयम,कठोर श्रम और संकल्प मूल आधार

संजीव ठाकुर

श्रेष्ठ ध्येय की प्राप्ति के लिए चिंता नहीं, चिंतन के साथ कठोर श्रम की आवश्यकता होती है। निराशा और चिंता मनुष्य की प्रगति के सबसे बड़े अवरोध हैं,ये मन के पंख काट देती हैं और व्यक्ति को स्थिर कर देती हैं। आवश्यकता है कि निराशा को तत्काल विचारों से अलग किया जाए और चिंता को मन में प्रवेश न करने दिया जाए, अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं लगाती। सकारात्मक सोच, नवीन संकल्प, दृढ़ निश्चय और संयम के साथ आगे बढ़ना ही सफलता का सार मार्ग है। मन में यदि संकल्प दृढ़ हो जाए तो संघर्ष की हर आँधी को जिजीविषा की शक्ति से मोड़ा जा सकता है।

कठिन कार्यों को जीवन में पहले चुनना चाहिए, क्योंकि कड़ी चुनौती ही ऊर्जा, सामर्थ्य और इच्छाशक्ति की परीक्षा लेकर मनुष्य को असाधारण बनाती है। कठिनाइयों से घबराकर उनसे पलायन करना निराशा को जन्म देता है, और निराशा से बढ़कर कोई बाधा नहीं होती, इसलिए हताशा को त्यागें, उत्साह और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें सफलता स्वयं आपके चरण चूमेगी। समाज में जो महान व्यक्ति विलक्षण रूप में हमारे सामने खड़े हैं— जिनको आज की भाषा में सेलिब्रिटी कहा जाता है, उनकी चमक के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति, संयम और अटूट विश्वास छिपा होता है। बड़ी सफलता का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है।लेकिन कठिन परिस्थितियाँ ही मनुष्य की दृढ़ता को तेज करती हैं और संघर्ष उसे मंज़िल के करीब ले जाता है।

मानव जीवन में इच्छाएँ, आकांक्षाएँ और प्रयत्न स्वाभाविक हैं, किंतु सफलता कभी भी मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए, क्योंकि मूल्यहीन सफलता समाज के लिए संकट बन सकती है। यदि वैज्ञानिक अपनी क्षमता का उपयोग मानव कल्याण के लिए न करके जैविक या रासायनिक हथियारों के निर्माण में करे, तो वह प्रज्ञा विनाश में परिवर्तित हो जाती है यही कारण है कि सफलता के पीछे मानवीय मूल्य होना अनिवार्य है। मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता ही लक्ष्य की पवित्रता और उपलब्धि की स्थिरता को सुनिश्चित करते हैं। सफलता केवल स्थापित मापदंड नहीं, बल्कि मानवता के कल्याण से जुड़ी होनी चाहिए। विश्व की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में सत्य, अहिंसा, दया, सेवा, करुणा और विश्व बंधुत्व जैसे गुणों की स्पष्ट स्वीकृति दिखाई देती है, और इन्हीं आधारों पर वैश्विक विकास की अवधारणा निर्मित होती है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में आदर्शों की प्रतिबद्धता स्वर्णिम धरोहर रही है। ऋषि-मुनियों से लेकर संत-परंपरा और स्वतंत्रता संग्राम के महापुरुषों तक— कबीर, रैदास, ज्ञानेश्वर, तुकाराम, चिश्ती, औलिया, रहीम, खुसरो, गांधी, नेहरू, टैगोर, विवेकानंद और सुभाषचंद्र बोस, इन सबने मूल्यों और सिद्धांतों की रक्षा को ही श्रेष्ठ सफलता माना और अपने जीवन को समाज के लिए समर्पित कर दिया। सफलता का अर्थ केवल उपलब्धि नहीं बल्कि सत्य का सम्मान और करुणा की सेवा है। बिना मूल्यों की सफलता पानी की पतली धारा की तरह होती है, जो नदी का रूप नहीं ले सकती। राजनीति और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में तो मूल्यों का महत्व और भी अधिक है, क्योंकि राष्ट्र निर्माण संवेदना, न्याय, कर्तव्य और नैतिकता के आधार पर ही संभव होता है। मूल्यहीन शासन समाज को विभाजन, भ्रम और अव्यवस्था की ओर धकेल देता है।

राष्ट्र अपनी ही जड़ों को खोकर विखंडन की कगार पर पहुंच जाता है। सफलता तभी शाश्वत और स्थाई हो सकती है जब उसमें नैतिकता, सत्य, श्रम, संयम और मानवीय संवेदना का संगम हो। वही राष्ट्र दीर्घकालीन स्वतंत्र और सशक्त रह सकता है, जिसके नागरिक और नेतृत्वकर्ता मूल्यों, उसूलों और राष्ट्रीय कर्तव्य की भावना के साथ कार्य करते हों। अंततः जीवन की सबसे बड़ी सफलता धन, पद या शोहरत नहीं, बल्कि वह आदर्श है जो हमारी पहचान को अमर बना देता है। चिरस्थाई सफलता का मार्ग केवल एक है निरंतर श्रम, अटूट संयम, सत्यनिष्ठ विचार और मानवीय मूल्य।

मोदी मॉडल का नया अध्यायः संकट में अवसर, पान मसाले से सुरक्षा

प्रो. आरके जैन

कोविड-19 के गहरे ज़ख्मों से दुनिया अभी भी पूरी तरह नहीं उबर पाई है, लेकिन इसी दौर में नरेंद्र मोदी सरकार ने एक ऐसा ऐतिहासिक फैसला लिया है जिसने साबित कर दिया कि भारत अब सिर्फ परिस्थितियों का जवाब नहीं देता—बल्कि आने वाले समय की दिशा तय करता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1 दिसंबर 2025 को लोकसभा में पेश किया गया 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा सेस विधेयक, 2025' इसी दूरदर्शी सोच का सशक्त उदाहरण है। यह विधेयक किसी सामान्य कर सुधार से कहीं अधिक है; यह एक रणनीतिक बदलाव है, जो स्वास्थ्य को राष्ट्रीय सुरक्षा का चौथा स्तंभ घोषित करता है। पान मसाला जैसे हानिकारक उत्पादों पर 40 प्रतिशत क्षमता आधारित सेस लागू करके सरकार हर वर्ष करीब छह हजार करोड़ रुपये का एक विशेष कोष तैयार करेगी एक ऐसा कोष, जो प्रत्यक्ष रूप से महामारी-नियंत्रण, 'वन हेल्थ' मिशन, वैक्सीन उत्पादन और रक्षा-आधुनिकीकरण जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को सशक्त बनाने में खर्च होगा। यही है मोदी सरकार की नीतिगत सोच का असली दर्शन'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की जीवंत अभिव्यक्ति जहाँ समाज को हानि पहुँचाने वाले उत्पादों से प्राप्त कर का उपयोग उन क्षेत्रों को मजबूत करने में किया जाता है, जो राष्ट्र को दीर्घकाल में अधिक सुरक्षित, समर्थ और आत्मनिर्भर बनाते हैं। मोदी सरकार की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह हर छोटे-बड़े संकट को भी एक व्यापक राष्ट्रीय अवसर में बदल देने की अद्भुत क्षमता रखती है। कोविड की भयावहता और वैश्विक अराजकता के बीच जब पूरी दुनिया वैक्सीन के लिए बेचैन और असहाय खड़ी थी, तब भारत ने न केवल स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित की बल्कि 200 से अधिक देशों तक जीवनरक्षक टीके पहुँचाकर अपनी मानवीय नेतृत्व-भूमिका को सिद्ध किया। आज वही सरकार उस अमूल्य ऐतिहासिक अनुभव को एक स्थायी, संस्थागत और भविष्य-निर्माण करने वाली संरचना में परिवर्तित कर रही है। यह नया फंड भारत को 'फ्यूचर-रेडी' बनाने की दिशा में उठाया गया सबसे निर्णायक और दूरदर्शी कदम है। जूनोटिक रोगों की सतत निगरानी, प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियाँ, बायोसेफ्टी लेवल-3 लैब्स का नेटवर्क, और वन हेल्थ मिशन के तहत पशु-मानव-पर्यावरण का समन्वित ढांचा—इन सभी रणनीतिक क्षमताओं को अब स्थायी वित्तीय समर्थन मिलेगा, जिससे इनकी गति कई गुना बढ़ेगी। भारत अब इतनी मजबूत तैयारी कर रहा है कि कोई भी आने वाली महामारी हमें पहले जैसा नुकसान नहीं पहुँचा सकेगी। यह वास्तव में आत्मनिर्भर भारत का स्वास्थ्य संस्करण है जहाँ हम केवल अपने नागरिकों की सुरक्षा ही नहीं, बल्कि पूरे वैश्विक दक्षिण के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल के रूप में उभर रहे हैं। सबसे प्रशंसनीय है सरकार का यह नैतिक साहस। पान मसाला और गुटखा जैसे हानिकारक उत्पादों को 'डिमेरिट गुड्स' मानकर उनसे ही स्वास्थ्य फंड जुटाने का निर्णय सचमुच एक साहसिक और दूरदर्शी कदम है। यही वही नीति-दृष्टि है जिसने स्वच्छ भारत में प्लास्टिक सेस से स्वच्छता कोष बनाया और पेट्रोल-डीजल पर सेस से आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया। आम आदमी पर एक पैसा अतिरिक्त बोझ नहीं, फिर भी हर साल अरबों रुपये का स्थायी फंड—यही है मोदी सरकार की 'लक्ष्मी मॉडल' अर्थव्यवस्था, जहाँ पाप से पुण्य का धन निकाला जाता है। विपक्ष जितना भी शोर करे, तथ्य स्पष्ट हैं यूपीए के समय सेस जीडीपी का 7प्रतिशत था, आज 6.1प्रतिशत है; अर्थात कम सेस में अधिक काम, यही सरकार की असली दक्षता है। राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर यह विधेयक भी एक वास्तविक गेम-चेंजर है। निर्मला सीतारमण ने कारगिल की याद दिलाते हुए सही कहा कि बजट की कमी ने कभी सेना को कमजोर नहीं किया।

राजस्थान केवल एक डेस्टिनेशन नहीं, निवेश का पावर हाउस भी : शेखावत

जेईसीसी में प्रवासी राजस्थानी दिवस पर आयोजित सेक्टोरल सेशन में बोले केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री- कहा, आने वाले वर्षों में भारत के 'ग्रोथ इंजन' के रूप में उभरेगा राजस्थान

विशेष गरिमा

जयपुर । केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान केवल एक डेस्टिनेशन ही नहीं, अपितु निवेश की दृष्टि से एक पावर हाउस भी है। उन?होंने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र जो संभावनाएं यहां हैं, उससे निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में राजस्थान भारत के 'ग्रोथ इंजन' के रूप में उभरेगा।

बुधवार को जेईसीसी में प्रवासी राजस्थानी दिवस के अवसर पर आयोजित सेक्टोरल सेशन में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि राजस्थान दुनिया के उन चुनिंदा राज्यों में है, जहां अनुभवों की सर्वाधिक विविधता मिलती है, साथ ही निवेश की स्थिरता भी मिलती है। किले,

महल, लोककला, उत्सव, रेगिस्तान, वन, वेलनेस, अध्यात्म और रंग-बिरंगे हैंडीक्राफ्ट मिलकर इसे एक ग्लोबली स्केलेबल टूरिज्म इकोनमी बनाते हैं। यहां आने वाले पर्यटकों के लिए राजस्थान केवल स्थल नहीं, एक भावनात्मक अनुभव है।

लॉन्ग-टर्म रिटर्न की गारंटी

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि राजस्थान में निवेश लॉन्ग-टर्म रिटर्न की गारंटी देता है। विविधता, बहु-रेवेन्यू चैनल और बढ़ती वैश्विक पहचान इसे पर्यटन उद्योग का सबसे मजबूत केंद्र बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की नई पर्यटन नीति को देश में सबसे बेहतर माना गया है और यह निवेशकों के लिए विशेष आकर्षण पैदा करती है, इसीलिए निवेशकों को बिना हिचक के यहां निवेश की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़े रहेंगे।

प्रवासी राजस्थान के सांस्कृतिक एंबेसडर

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने प्रवासी राजस्थानियों को राज्य की प्रगति का महत्वपूर्ण भागीदार बताते हुए कहा कि आप केवल प्रवासी नहीं, राजस्थान के सांस्कृतिक एंबेसडर हैं। आपके पास न केवल वैश्विक अनुभव है, अपितु वैश्विक नेटवर्क भी है, जो पर्यटन निवेश के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां राजस्थानी बसे हैं, वहां उन्होंने राजस्थान की संस्कृति, मेहनत और उद्यमशीलता को पहचान दिलाई है, इसलिए आपका यही जुड़ाव यहां के पर्यटन क्षेत्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

तेजी से आगे बढ़ रहा टूरिज्म सेक्टर

शेखावत ने कहा कि भारत का पर्यटन क्षेत्र आने वाले 10 वर्षों में तीन गुना से अधिक बढ़ने वाला है। केंद्र सरकार 2047 तक पर्यटन अर्थव्यवस्था को 3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि देश में घरेलू पर्यटन सालाना 2.5 बिलियन यात्राओं के स्तर पर पहुंच चुका है, जो बड़ी आर्थिक क्षमता को दर्शाता है।

50 ग्लोबल-स्टैंडर्ड डेस्टिनेशन बनाने का लक्ष्य

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार राजस्थान में कनेक्टिविटी को अभूतपूर्व स्तर पर सुधार रही है। चाहे सड़क हो, रेल या हवाई मार्ग हो, हर क्षेत्र में इंफ्रास?ट्रक?चर मजबूत करने की दिशा में केंद्र और राज?य सरकार मिलकर काम कर रहे हैं। उन?होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में 6,000 करोड़ रुपये के नए प्रोजेक्ट लॉन्च किए जा चुके हैं, और देश में 50 ग्लोबल स्टैंडर्ड डेस्टिनेशन विकसित किए जा रहे हैं, जिसमें राजस?थान काफी अहम होगा। उन?होंने कहा कि पर्यटन के सभी वर्टिकल जैसे हेरिटेज, वेडिंग, एडवेंचर, वेलनेस, डेजर्ट, स्पिरिचुअल को पीपीटी मॉडल पर विकसित किया जाएगा। सरकार निवेशकों को सहयोग और साथ दोनों देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन?होंने कहा कि राजस्थान केवल अपने गौरवशाली अतीत से नहीं, अपितु नए भारत के निर्माण में अपनी भूमिका से भी पहचाना जाएगा। प्रवासी राजस्थानी राज्य की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक प्रगति में भागीदार बनें और वैश्विक मंच पर राजस्थान की नई पहचान स्थापित करें।

अरिहंत ग्लोबल ने मनाया 12वाँ वार्षिकोत्सव, 'मिशन 100 टीम' थीम के साथ ऊर्जा से भरपूर भव्य उत्सव बढ़ता राजस्थान

विशेष गरिमा

जयपुर । डिजिटल सेवाओं, मोबाइल संचार सुविधाओं और आधुनिक तकनीकी समाधानों में अग्रणी संस्था अरिहंत ग्लोबल ने इस वर्ष अपना 12वाँ वार्षिकोत्सव अत्यंत जोश, उत्साह और पारिवारिक वातावरण में मनाया। इस वर्ष समारोह का मुख्य विषय 'मिशन 100 टीम - ऊर्जा के साथ उत्सव' रखा गया, जिसका उद्देश्य आने वाले समय में 100 से अधिक सदस्यों वाली सशक्त, प्रशिक्षित और ऊर्जावान टीम का निर्माण करना, डिजिटल रोजगार सृजन , फ्रेंचाइजी सेगमेंट में प्रवेश करना है।

यह भव्य समारोह काश्वी बैंक्वेट, खंडेलवाल ढाबेवाला, जयपुर में आयोजित हुआ, जहाँ संस्था के सभी कर्मचारियों के साथ उनके परिवारजन भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम का वातावरण और अधिक आत्मीय व उल्लासपूर्ण हो गया।

समारोह में उद्योग, शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र के सम्मानित अतिथियों

डॉ. अरुण अग्रवाल, जगदीश सोमानी, मनीष जैन, अंकुर जोशी, मुकुल गोस्वामी, प्रो. त्रिलोक जैन एवं गौमाता सेवार्थ ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य–

ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

सभी अतिथियों ने अरिहंत ग्लोबल की 12 वर्षों की विकास यात्रा, टीम-संस्कृति, नवाचार तथा समाज के प्रति योगदान की सराहना की।

निर्देशक राहुल कुमार जैन ने संस्थान के प्लेटफ़ॉर्म और नई पहलों पर प्रकाश डाला

संस्थान के संस्थापक राहुल जैन, सुनीता जैन ने अपने उद्बोधन में अरिहंत ग्लोबल द्वारा विकसित किए गए अनेक प्रमुख डिजिटल मंचों और सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि—मानव इन्वाइट्स, संचार मंच सेवाएँ (सी-पा.एस प्रकार की सेवाएँ) तथा अन्य डिजिटल समाधान, पिछले वर्षों में अनेक संगठनों, संस्थानों और ग्राहकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुए हैं।

उन्होंने इस अवसर पर इस वर्ष प्रारंभ किए गए डिजिटल एम्पावरमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम (DETP) के बारे में भी विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम विशेष रूप से

नवउद्यमियों (स्टार्टअप्स)

लघु और मध्यम उद्योगों

युवाओं के कौशल विकास

और तकनीकी दक्षता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है।

इसका उद्देश्य है— 'युवाओं, उद्यमियों और छोटे व्यवसायों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाकर उन्हें रोजगार सृजन, व्यवसाय विस्तार और राष्ट्र निर्माण में सक्षम बनाना। '

वार्षिक सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान संस्था में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

इस वर्ष का 'वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' सम्मान राशिका शर्मा को उनके समर्पण, रचनात्मकता और उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया।

समारोह में विनोद कुमावत, अंकुर, अंकित जैन, लोकेश मेहरा, आयुषी पाटनी, शैलेन्द्र सिंह, कुलदीप सिंह, अमित गौतम, संजय कंवरिया तथा रवीना जांगिड़–को भी विभिन्न श्रेणियों में सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का समापन 'मिशन 100 टीम' के संकल्प के साथ हुआ, जहाँ सभी अतिथियों, टीम सदस्यों और उनके परिवारों ने एकजुट होकर भविष्य में नई ऊर्जा, नए नवाचार और मजबूत टीमभावना के साथ और भी ऊँचाइयाँ प्राप्त करने का दृढ़ निश्चय किया।

प्रवासी राजस्थानी विशेषांक का किया विमोचन

विशेष गरिमा

जयपुर । सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के कल्याण के लिए समर्पित संगठन लघु उद्योग भारती की राष्ट्रीय पत्रिका उद्योग टाइम्स के प्रवासी राजस्थानी विशेषांक का विमोचन उप मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दिया कुमारी और उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने आज 10 दिसंबर को जेईसीसी कैंपस में आयोजित

प्रवासी राजस्थानी दिवस के अवसर पर किया। उद्योग टाइम्स के को एडिटर डॉ. संजय मिश्रा ने विभिन्न चैप्टर्स के पदाधिकारियों का परिचय कराया। पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सीए योगेश गौतम और जयपुर अंचल के अध्यक्ष महेंद्र मिश्रा ने दुनिया भर से आए राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर्स प्रेसिडेंट्स को संगठन की ओर से उपरना पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व

राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा, राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव नरेश पारीक, प्रदेश कोषाध्यक्ष अरुण जाजोदिया और उपाध्यक्ष नटवरलाल अजमेरा भी उपस्थित रहे।

6.5 लाख की अफीम के साथ एक तस्कर गिरफ्तार; दो साथी फरार

विशेष गरिमा

(अनुभव मोहन सक्सेना ब्यूरो बरेली) । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत, थाना बारादरी पुलिस ने एक शातिर मादक पदार्थ विक्रेता को 261 ग्राम अवैध अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद अफीम की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 6,50,000/- रुपये आंकी गई है। थाना बारादरी पुलिस टीम ने रात्रि गश्त के दौरान दिनांक 09/10.12.2025 को सम्राट अशोक नगर वाले रास्ते के पास से अभियुक्त प्रमोद पुत्र वेदप्रकाश मिश्रा (निवासी सोरहा, फतेहगंज पश्चिमी, उम्र करीब 21 वर्ष) को पकड़ा। प्रमोद के पास से 261 ग्राम अफीम बरामद हुई। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह अपने साथी आकाश और धर्मेन्द्र के साथ मिलकर झारखंड से अफीम खरीदकर लाता है और बरेली में घूम-घूम कर बेचता है। आज भी ये लोग अफीम बेचने की फिराक में थे। इस संबंध में थाना बारादरी में अभियुक्त प्रमोद के खिलाफ NDPS ACT के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी/बरामदगी के समय प्रमोद के दो साथी, आकाश और धर्मेन्द्र, मौके से फरार हो गए, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम प्रयास कर रही है। अभियुक्त प्रमोद को विस्तृत पूछताछ के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक धनंन्जय पाण्डेय, उ0नि0 कुशलपाल सिंह (प्रभारी चौकी जगतपुर), हे0 कां0 लोकेन्द्र सिंह, कां0 संदीप कुमार, कां0 सिद्धान्त चौधरी, और कां0 आदित्य कुमार शामिल थे।

महा अरोवा इंडिया एलएलपी द्वारा जयपुर में 'अरोवा नेचुरल मिनरल वाटर' का भव्य शुभारंभ

विशेष गरिमा

जयपुर । उत्तराखंड के शुद्ध और प्राकृतिक हिमालयी जल स्रोतों से प्राप्त अरोवा नेचुरल मिनरल वाटर, भारत का उभरता हुआ प्रीमियम हाइड्रेशन ब्रांड, आज गुलाबी नगरी जयपुर में अपने आधिकारिक शुभारंभ की घोषणा करता है। स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, अरोवा ऐसा जल लेकर आया है जो साधारण पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर से बिल्कुल अलग है – यह पूरी तरह प्राकृतिक है, आवश्यक मिनरल्स से भरपूर है और सेहतमंद जीवन के लिए बनाया गया है।

आम तौर पर बाजार में मिलने वाला पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर आरओ प्रोसेस से गुजरता है, जिससे पानी के प्राकृतिक खनिज नष्ट हो जाते हैं। वहीं अरोवा नेचुरल मिनरल वाटर प्राकृतिक मिनरल से भरपूर जल स्रोतों से प्राप्त किया जाता है और इसकी शुद्धता और प्राकृतिक गुणों को सुरक्षित रखते हुए बोतलबंद किया जाता है। इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम, सोडियम, बाइकार्बोनेट्स, सल्फेट्स, क्लोराइड और प्राकृतिक सिलिका जैसे आवश्यक मिनरल्स संतुलित मात्रा में मौजूद हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं, मांसपेशियों की कार्यक्षमता बढ़ाते हैं, पाचन सुधारते हैं और शरीर को बेहतर हाइड्रेशन प्रदान करते हैं। इसका प्राकृतिक रूप से संतुलित

श्च॥ शरीर के आंतरिक संतुलन को बनाए रखने में भी सहायक है। जल की गुणवत्ता और मिनरल्स की प्रभावशीलता पर बात करते हुए अरोवा नेचुरल मिनरल वाटर के संस्थापक राहुल अरोड़ा ने कहाः 'अरोवा का उद्देश्य शुरुआत से ही लोगों तक सबसे शुद्ध और लाभदायक पानी पहुँचाना रहा है। हमारे पानी में मौजूद हर मिनरल प्राकृतिक रूप से स्रोत से आता है और यह शरीर के प्रत्येक दैनिक कार्य – जैसे मसल रिकवरी, पाचन और बेहतर हाइड्रेशन – में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कोई इंजीनियर्ड पानी नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा दिया गया शुद्ध उपहार है। 'अरोवा की शुरुआत एक सरल सोच से हुई – पानी केवल प्यास बुझाने का साधन नहीं, बल्कि शरीर को पोषण देने का माध्यम होना चाहिए। इसी सोच के साथ यह ब्रांड वेलनेस, सस्टेनेबिलिटी और पारदर्शिता के सिद्धांतों पर काम करता है। उत्तराखंड के संरक्षित प्राकृतिक जल स्रोतों से जिम्मेदारीपूर्वक जल संग्रहण और पर्यावरण के प्रति सजग प्रक्रियाओं के साथ, अरोवा केवल एक ब्रांड नहीं बल्कि एक जागरूक जीवनशैली का प्रतीक है।

ब्रांड के राष्ट्रीय विस्तार और राजस्थान की रणनीतिक महत्ता पर बात करते हुए अरोवा के प्रमोटर्स प्रतीक वर्मा एवं सुधांशु पांडा ने कहाः 'अरोवा का विजन पूरी तरह पैन-इंडिया है। राजस्थान हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण राज्य है, न केवल इसकी आर्थिक प्रगति के कारण, बल्कि इसलिए भी क्योंकि यह देश का एक प्रमुख टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी हब है। जयपुर से हमारी ॥ह्रूञ्च्श्चष्ट आधारित विस्तार योजना की मजबूत शुरुआत होगी। हमारा उद्देश्य है कि आने वाले समय में अरोवा राजस्थान के होटलों, रेस्टोरेंट्स, कैफे, लग्जरी रिसॉर्ट्स, वेलनेस सेंटर्स और प्रीमियम संस्थानों की पहली पसंद बने। '

विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय के मानवाधिकारों के लिए हो सामुहिक प्रयास- जसवंत खत्री क्षेत्र कार्यवाह

विशेष गरिमा

जयपुर । विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तु जनाधिकार समिति के तत्वाधान में विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर सभा का आयोजन स्थानीय मालवीय नगर स्थित पाथेय भवन सभागर में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यवाह जसवंत जी खत्री रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जेइसीआरसी के चांसलर ओपी अग्रवाल ने की। साथ ही मंचासीन अतिथियों में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अ.भा.हरियाणा गौड ब्राम्हण महासभा एवं अध्यक्ष श्री कृष्ण गोपाल गौशाला - वाटिका कैलाश चन्द शर्मा, अतिरिक्त प्राचार्या दौसा मेडिकल कॉलेज डॉ. राजेन्द्र यादव विशिष्ट अतिथि इनके अतिरिक्त घुमन्तू जाति उत्थान न्यास के प्रांत संयोजक महेन्द्र सिंह राजावत, कार्यक्रम संयोजक रामकिशोर योगी, अध्यक्ष अनुसूचित जाति वित एवं विकास आयोग, राजस्थान राजेन्द्र नायक मंच पर उपस्थित रहे। सभा में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता जसवंत खत्री ने घुमन्तू समुदाय के अधिकारों को लेकर चिंता जाहिर

करते हुए कहा मानवाधिकार प्रकृति प्रदत्त है। वर्तमान में घुमन्तू समाज के मानवाधिकारों के प्रति समाज और सरकार दोनों को इनके कल्याण के लिए मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने मीडिया और प्रशासन की कार्य शैली पर उन्होंने कहा विभिन्न समाजों की गैंग के बारे में उल्लेख करना ठीक नहीं है, इस पर प्रतिबंध लगना चाहिए। और आदतन अपराधी अधिनियम हटना चाहिए। विश्व मानवाधिकार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन किया गया। साथ ही समिति पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का परम्परानुसार सम्मान किया गया। इस दौरान डॉ. राजेन्द्र यादव, एडवोकेट रामधन टिटानिया, राकेश बीडावत, महेन्द्र सिंह राजावत, रामकिशोर योगी एवं एडवोकेट रामअवतार योगी , प्रान्त धर्म आस्था प्रकल्प संयोजक विष्णु पुजारी ने भी मंच से घुमन्तू समाज के बंधुओं के दस्तावेज बनने, सरकार की विभिन्न कलयाणकारी योजनाओं का लाभ मिलने एवं सरकार एवं प्रशासन द्वारा घुमन्तू समाज की बस्तियों को तोड़ने की अपेक्षा उनके पुर्नवास की मांग प्रमुख रूप से उठाई।

कार्यक्रम में क्षेत्र घुमन्तू कार्य प्रमुख महेन्द्र सिंह, ओएसडी हरदयाल गौड़, प्रभुदयाल बावरी, घनश्याम बड़तिया, भैरूराम बंजारा, फौजसिंह पारधी, सन्नी सांसी, राहुल सिकलीगर, पांचू कंजर, गोपाल गुजराती, एससी मोर्चा महामंत्री मुकेश गर्ग, शंभुदयाल योगी, ओमप्रकाश जेदिया, राजेन्द्र योगी, दीपक सांसी, रजीन शर्मा, मदन योगी, सहित बड़ी संख्या में मातृ शक्ति, युवा शक्ति व गणमान्यजन मौजूद रहे।

आईआईटी मंडी ने शिक्षा को आध्यात्मिकता और संस्कृति से जोड़ते हुए गीता जयंती मनाई

विशेष गरिमा

मंडी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी ने अत्यंत उत्साह के साथ 'गीतानुशीलनम् 2025' का आयोजन कर गीता जयंती मनाई। इस कार्यक्रम का आयोजन ईक्श्माह सेंटर (इंडियन नॉलेज सिस्टम एंड मेंटल हेल्थ एप्लीकेशंस) द्वारा लर्न गीता लिव गीता, जो भगवद् गीता के वैज्ञानिक अध्ययन हेतु समर्पित एक ऑनलाइन मंच है, के सहयोग से किया गया। इस वर्ष, मंडी और आसपास के क्षेत्रों के 25 से अधिक स्कूलों एवं कॉलेजों के 5,000 से अधिक विद्यार्थियों ने एक माह तक चलने वाली भगवद् गीता -आधारित प्रतियोगिताओं में भाग लिया। आईआईटी मंडी के शिक्षकों और छात्रों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को गीता के विज्ञान और दर्शन से

परिचित कराया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भगवद् गीता का सामूहिक कोरस पाठ था, जो कुरुक्षेत्र के पावन युद्धभूमि पर भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के मध्य हुए दिव्य संवाद को समर्पित था। सामूहिक मंत्रोच्चारण ने गहन श्रद्धा और आत्मचिंतन का वातावरण निर्मित किया, जिसने उपस्थित दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। आईआईटी मंडी के डायरेक्टर प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा ने सभी हिस्सा लेने वाले स्कूलों के टीचर्स, स्टूडेंट्स, परफॉर्मर्स और समर्पित वॉलंटियर्स का दिल से आभार व्यक्त किया, जिनके सामूहिक प्रयासों से यह कार्यक्रम सफल हुआ। उन्होंने भगवद गीता को 'भारत की आत्मा - वह सार जो भारत को भारत बनाता है' बताया। सौम्या संबशिवन, डीआईजी (धर्मशाला रेंज), ने युवाओं में भावनात्मक विकास और नैतिक नेतृत्व निर्माण में गीता की भूमिका को रेखांकित किया। ललित कुमार अवस्थी, कुलपति, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मंडी, ने युवा विद्यार्थियों में आध्यात्मिक शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी मंडी के प्रयासों की सराहना की।

एजेस फ़ेडरल लाइफ़ इंश्योरेंस ने लॉन्च की अपने ब्रांड की नई पहचान

ब्रांड के नए लोगो में दो जुड़े हुए आर्क जो सुरक्षा और राह दिखाने का भाव व्यक्त करते हैं

विशेष गरिमा

मुंबई। एजेस फ़ेडरल लाइफ़ इंश्योरेंस ने अपने बदलाव के सफर में एक बड़ा कदम उठाते हुए, आज ब्रांड की नई पहचान के लॉन्च की घोषणा की। ब्रांड की यह नई पहचान, सही मायने में विश्व स्तर पर एजेस ग्रुप की 200 सालों की विरासत और फ़ेडरल बैंक के सौ साल के भरोसे से प्रेरित है। ब्रांड की इस नई पहचान से बीमा को आसान बनाने, लोगों के साथ दिल से जुड़ाव को मजबूत करने और देश भर में वित्तीय सुरक्षा को सुलभ बनाने के कंपनी के लक्ष्य की झलक मिलती है। इस नए ब्रांड को एजेस फ़ेडरल लाइफ़ इंश्योरेंस के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, जूड गोम्स ने ब्रांड एंबेसडर और क्रिकेट जगत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर की मौजूदगी में लॉन्च किया। नई

शुरुआत और नई उम्मीद को दर्शाने वाले कंपनी के नए लोगो से इस बात पर भरोसा और मजबूत होता है कि, हर अच्छे सफर की शुरुआत साफ़ इरादे और सकारात्मक सोच से होती है। नए लोगो में दो जुड़े हुए आर्क सुरक्षा का प्रतीक हैं, और ग्राहकों को जीवन के हर मोड़ पर सहारा देने के कंपनी के लक्ष्य को दर्शाते हैं। लॉन्च के मौके पर, एजेस फ़ेडरल लाइफ़ इंश्योरेंस के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, जूड गोम्स ने कहा, 'यह नई पहचान बताती है कि हम कौन हैं और भारत के लोगों के लिए हम क्या बनना चाहते हैं- यानी हम संभावनाओं को साकार करने वाले हैं। 'अल्बा' में हर किसी की परवाह और उम्मीद का भाव समाया है, जबकि 'हर वादा मुमकिन'- हर वादा होगा पूरा, हमारे ब्रांड का वादा है जिससे जाहिर है कि कंपनी अपना हर वादा पूरा करने के संकल्प पर कायम है। इस महत्वपूर्ण कदम से भारत में वित्तीय सुरक्षा की लगातार बढ़ती ज़रूरतों को पूरा करने और लाखों लोगों के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने के हमारे अरमानों को बढ़ावा मिलता है। '

ऐतिहासिक गौरवः राजस्थान पुलिस अकादमी बनी देश की सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण संस्थान

राज्यों के पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में उत्कृष्ट संस्थान का दर्जा पाने वाली पहली अकादमी, देश के शीर्ष 5 में शामिल

विशेष गरिमा

जयपुर । राजस्थान पुलिस अकादमी ने एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए देश के पुलिस प्रशिक्षण के इतिहास में अपना नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज कराया है। भारत सरकार के उपक्रम क्षमता विकास आयोग ने आरपीए को उत्कृष्ट संस्थान का दर्जा प्रदान किया है। इस सम्मान के साथ ही राजस्थान पुलिस अकादमी पूरे भारतवर्ष के राज्यों के पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में यह प्रतिष्ठित दर्जा प्राप्त करने वाली पहली अकादमी बन गई है, जिसने देश के शीर्ष पाँच सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण संस्थानों में अपना स्थान सुनिश्चित किया है।

डीजीपी और डीजी ट्रेनिंग ने दी बधाई, किया प्रोत्साहित

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने अकादमी को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान राजस्थान पुलिस के लिए एक अत्यंत गर्व का क्षण है। यह दर्शाता है कि हमारे प्रशिक्षु देश के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण ढांचे के तहत तैयार हो रहे हैं। यह उत्कृष्टता का मानक है और हमें इसे बनाए रखना है।

वहीं महानिदेशक प्रशिक्षण अनिल पालीवाल ने अकादमी की टीम को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आरपीए ने देश के सामने एक मिसाल कायम की है। यह दर्जा न केवल हमारी वर्तमान सफलता को दर्शाता है, बल्कि भविष्य में प्रशिक्षण पद्धतियों में नवाचार और गुणवत्ता के लिए हमें और अधिक प्रेरित करता है।

कड़े 43 मानकों पर खरा उतरा प्रशिक्षण का ढाँचा

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एवं निदेशक आरपीए संजीब नार्जारी ने बताया कि यह उत्कृष्ट सम्मान आरपीए द्वारा प्रशिक्षण की गुणवत्ता, संसाधन प्रबंधन और तकनीकी उपयोग में स्थापित उच्च मानकों को दर्शाता है। अकादमी का मूल्यांकन क्षमता विकास आयोग द्वारा 8 प्रमुख स्तंभों के अंतर्गत कुल 43 कठिन मानकों पर किया गया। इसमें प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण, संकाय विकास, प्रशिक्षण में तकनीक का उपयोग, प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण में सहायता, प्रशिक्षण गुणवत्ता एवं प्रशिक्षण संस्थान की कार्यप्रणाली एवं प्रशासन और अन्य संस्थानों के साथ समन्वय जैसे महत्वपूर्ण पहलू शामिल थे। अकादमी के निदेशक नार्जारी और अतिरिक्त निदेशक शंकरदत्त शर्मा के मार्गदर्शन में गठित एक विशेष टीम ने सभी आवश्यक दस्तावेजीकरण और मूल्यांकन प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस टीम में सहायक निदेशक धनपत राज, अनुकृति उज्जैन, पुलिस निरीक्षक धीरज वर्मा, दीपक यादव, नीलिमा अग्निहोत्री एवं महिला कांस्टेबल रानी शामिल थी। आयोग की टीम द्वारा दस्तावेजों की गहन जाँच की गई और 09 तथा 10 दिसम्बर को आरपीए का दौरा कर कार्यों का विश्लेषण किया गया। टीम ने गहन जांच के बाद अकादमी को उत्कृष्ट संस्थान का दर्जा दिया और निदेशक संजीव कुमार नार्जारी एवं टीम को प्रमाण पत्र प्रदान किया।

पहले भी मिल चुका है सर्वश्रेष्ठ पुलिस अकादमी का गौरव

उल्लेखनीय है कि राजस्थान पुलिस अकादमी के लिए उत्कृष्टता का यह सफर नया नहीं है। आरपीए को पूर्व में भी तीन बार देश की सर्वश्रेष्ठ पुलिस अकादमी का दर्जा प्राप्त हो चुका है, जो इसके निरंतर उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण मानकों को सिद्ध करता है।

स्कूल में बच्चों को वितरित किए ब्लैजर

विशेष गरिमा

लक्ष्मणगढ़ । महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय फागलवा में लालचंद छापरवाल ने स्कूल के 62 विधार्थियों को सर्दी से बचाव के लिए ब्लैजर वितरित किए। इस अवसर पर संस्था की ओर से लालचंद छापरवाल का साफा पहनाकर कर स्वागत किया। कार्यक्रम में संस्था प्रधान परमेश्वरी , प्राचार्य सुनील कुमार मीणा, श्रीमती एकता,एसएमसी अजीर खां, पूर्व अध्यक्ष सुमेर सिंह, शिक्षक बलदेव काला, विमला देवी,जगन सिंह पिंकी देवी,रामेशवरी रेवाड,सिगमा पाराशर,कुमारी संतु सहित विद्यालय स्टाफ व विधार्थी मौजूद थे।

कामरेड त्रिलोक सिंह की 27वीं पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि की अर्पित

विशेष गरिमा

लक्ष्मणगढ़ । जाट बोर्डिंग हाउस संस्थान स्थित कामरेड त्रिलोक सिंह की समाधि स्थल पर 27वीं पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।संस्थान के प्रेस सचिव हरिराम मील ने बताया कि बुधवार समाधि स्थल पर संस्थान अध्यक्ष गणेश बेरवाल, पूर्व विधायक पेमाराम, सुरेश थालोड़ ,हरिराम मील, भगवान सहाय ढाका, सुभाष जाखड़,विजेंद्र ढाका, रुड सिंह महला, पन्नालाल, मंगल सिंह माडोता ,डॉक्टर युद्धवीर सिंह महला आदि ने कॉमरेड त्रिलोक सिंह को अपना आदर्श मान कर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की तथा कामरेड त्रिलोक सिंह के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

पतनोन्मुखी व्यवस्था को सुधारने हेतु जन आंदोलन की करेंगें शुरूआत

लिव इन रिलेशनशिप को कानूनी मान्यता देने से भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक, वैवाहिक जीवन पद्धति तेजी से पतन के गर्त में जा रही है-आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया

विशेष गरिमा

जयपुर । पिंक सिटी प्रेस क्लब, में बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन मीरा चेरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर द्वारा सेंटर फॉर पब्लिक अवेयरनेस एंड इनफॉरमेशन के डायरेक्टर आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने किया। आधुनिकता के नाम पर लिव इन रिलेशनशिप को कानूनी मान्यता देने से भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक, वैवाहिक जीवन पद्धति तेजी से पतन के गर्त में जा रही है। भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने और सुखी सभ्य समाज व्यवस्था जो पतनोन्मुखी हो गई है, को सुधारने हेतु एक देशव्यापी जन आंदोलन को आरम्भ किया है। आचार्य सत्यनारायण ने बताया कि रिश्ते कैसे होते हैं और कैसे बनाए जाते हैं। विवाह के प्रकार और विवाह व्यवस्था का अर्थ और महत्व स्पष्ट किया। लिव इन रिलेशनशिप को लागू करने के दुष्परिणाम विस्तार से बताए और इसमें पैदा होने वाले बच्चों का भविष्य कितना खराब होगा, यह जानकारी दी। लिव इन रिलेशनशिप की प्रथा की शुरुआत कैसे हुई! क्या-क्या कारण है, यह प्रथा समाज के लिए कितनी घातक है। यह जानकर पैरों तले जमीन सरक गई। समाज में होने वाले अनाचार, दुराचार और व्यभिचार को रोकने की जिम्मेदारी सरकार की है, सरकार इसमें नाकाम रहती है तो इसे ही वैध करार दिया जाता है। यह बहुत बड़े महत्व की बात है कि भगवान से उन्हें विपश्यना की गहरी समाधि की अवस्था में यह आदेश मिला कि लिव इन रिलेशनशिप को समाप्त कराना है और भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक, वैवाहिक व्यवस्था को छिन्न भिन्न होने से बचाने के लिए आंदोलन करने का उत्तरदायित्व उनको दिया। इस प्रेस कांफ्रेंस में यह बात सामने आई कि यदि यह बीमारी जो महामारी की तरफ फैल रही है, समय रहते नहीं रोकी गई और समाप्त नहीं किया तो हमारे देश को बर्बादी से कोई नहीं रोक पाएगा। पाटोदिया ने प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा है और एक कानून बनाकर लिव इन रिलेशनशिप की कानूनन मान्यता को समाप्त करने हेतु प्रार्थना की है। आपने भारत के सुप्रीम कोर्ट के 53वें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत शर्मा साहेब को भी अपील की है कि आप अपने स्वविवेक से प्रसंज्ञान लेकर लिव इन रिलेशनशिप की कानूनी मान्यता को समाप्त करने का पुण्य कार्य करें।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में डा राम शर्मा, प्राचार्य, जयपुर संगीत महाविद्यालय

प्रमोद जैन चौरड़िया, संस्थापक अध्यक्ष, मानव मिलन संस्थान

कमल बाबू जैन, पूर्व अध्यक्ष राजस्थान जैन सभा एवं अध्यक्ष राजस्थान महासभा

डा सुरेश चंद्र शर्मा, संस्थापक अध्यक्ष, सर्व समाज जागृति संघ

श्रीमती रुचि साधवानी, फाउंडर, आनंद फाउंडेशन

ने भी अपने विचार व्यक्त किए और बताया कि लिव इन रिलेशनशिप समाज के लिए घातक है और तुरंत प्रभाव से इसकी मान्यता समाप्त कर दी जानी चाहिए।

आमजन की आवाज अब रेल्वे तक पहुंचेगी-दीपेश गोयल

विनोद पारख के स्वागत समारोह का हुआ आयोजन

विशेष गरिमा

सुमेरपुर(महावीर दाधीच)। भारत सरकार के रेल्वे बोर्ड की जोनल रेल्वे यूजर्स कन्सल्टेटिव कमेटी के सदस्य विनोद पारख को मंगलवार रात्रि में युवा उद्यमी एवं बिल्डर दीपेश गोयल ने निजी होटल में समारोह का आयोजन किया। समारोह में सुमेरपुर-शिवगंज के व्यापारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ-साथ विनोद पारख के रोहट क्षेत्र के प्रसिद्ध कचोरी व्यापारी सुनील प्रजापत, भारतीय जनता पार्टी के रोहट मण्डल अध्यक्ष राजेन्द्र पटेल, पूर्व उप सरपंच मानाराम देवासी, मथुरा दास माथुर जोधपुर के डॉक्टर धीरज वैष्णव समेत प्रबुद्धजनों की मौजूदगी में समारोह आयोजित हुआ, जिसमें सुमेरपुर, शिवगंज, रोहट, तखतगढ, कोलीवाडा, के मौजूद प्रबुद्धजनों ने विनोद पारख का केक काटकर और स्नेह भोज आयोजित कर ढोल-ढमाको व फूल मालाओं स्वागत किया गया। कार्यक्रम में दीपेश गोयल ने कहा कि अब भारत सरकार के रेल्वे बोर्ड में युवा भागीदारी निहीत होने से जवाईबांध रेल्वे स्टेशन का विकास होने से कोई रोक नहीं सकेगा। समय-समय पर सुमेरपुर, शिवगंज, तखतगढ, आहोर, साण्डेराव, पालडी के वाशिन्दों ने आन्दोलन कर जवाईबांध में ट्रेनों के ठहराव की मांग रेल्वे प्रबन्धन के सामने रखी थी, लेकिन किसी प्रकार का कोई विशेष विकास नहीं हुआ, अब विनोद पारख के रेल्वे बोर्ड की जोनल रेल्वे यूजर्स कन्सल्टेटिव कमेटी के सदस्य बनने से सुझावों के साथ-साथ सेवाओं को भी बेहतरीन करने में भागीदारी निभाएंगे। युवा व्यापारी शंकरलाल लोहार ने कहा कि सुमेरपुर, शिवगंज समेत तखतगढ द्वारा राज्य सरकार को सर्वाधिक राजस्व देने के बावजूद भी जवाईबांध महरूम रहा है, अब विनोद पारख के रेल्वे बोर्ड में पहुंचने से आमजन की आवाज रेल्वे तक पहुंचेगी। कार्यक्रम को सुनील प्रजापति, राजेन्द्र पटेल, मानाराम देवासी, डॉक्टर धीरज वैष्णव, जितेन्द्र खत्री ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के पश्चात स्नेह भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवा बिल्डर मांगीलाल देवासी, युवा व्यावसायी संजय रावल, समाजसेवी रवि सुथार, सामाजिक कार्यकर्ता अशोक सुथार, गजेन्द्रसिंह, समेत कई प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

14 दिसम्बर को वोट चोर-गद्दी छोड़ महारैली को लेकर कांग्रेस की आज समीक्षा बैठक

विशेष गरिमा

जयपुर । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा दिल्ली में 14 दिसम्बर को आयोजित होने वाली वोट चोर-गद्दी छोड़ महारैली में राजस्थान से कांग्रेसजनों की भागीदारी को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल 11 दिसम्बर को सायं 05.00 बजे प्रदेश कांग्रेस वॉर रूम जयपुर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा हेतु महत्वपूर्ण बैठक लेंगे। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष अजय माकन, एआईसीसी के राजस्थान प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, एआईसीसी महासचिव भंवर जितेन्द्र सिंह, सचिन पायलट, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित राजस्थान से एआईसीसी पदाधिकारीगण एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल रहेंगे।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव व मीडिया चेयरपर्सन स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि बैठक में प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा रैली को सफल बनाने हेतु की गई तैयारियों की तथा प्रदेशभर से रैली में भाग लेने हेतु प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से जाने वाले कांग्रेसजनों की सूची, वाहनों की संख्या रजिस्ट्रेशन नम्बर एवं वाहन प्रभारी के फोन नम्बर सहित एआईसीसी संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल को सौंपेंगे। साथ ही राजस्थान में प्रदेश कांग्रेस द्वारा एसआईआर अभियान में किए गए कार्यों तथा वोट चोर-गद्दी छोड़ अभियान के तहत् हस्ताक्षर अभियान की जानकारी प्रस्तुत करेंगे।

अवैध मिट्टी माफियाओं को ट्रैफिक नियम तोड़ने की छूट

अवैध ढंग, ओवरलोड, बिना तरपाल के सड़कों में दौड़ते है वाहन

विशेष गरिमा

सितारगंज (दीपक भारद्वाज) । अवैध ढंग, ओवरलोड मिट्टी, कथित नंबर प्लेट, बिना डीएल, तरपाल सड़कों में कैसे दौड़ रहे है अवैध मिट्टी में लिप्त ट्रैक्टर ट्रॉली। यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले अवैध मिट्टी खनन के वाहनों को सड़क में दहशत बनाकर चलाने की अनुमति कौन देता हैं। इसके पीछे कौन है, यह भी बड़ा सवाल हैं। सूखी नदी किनारे बसे निर्मलनगर 20 क्वार्टर गांव अवैध मिट्टी खनन का गढ़ बन गया हैं। मिट्टी माफिया का गठजोड़ इस कदर है कि माफिया रात के अंधेरे के साथ ही दिन के उजाले में भी अवैध मिट्टी खनन के अवैध कारोबार को खुलेआम करते हैं। जिसे पकड़ना जिम्मेदारों के लिए बहुत ही आसान हैं। लेकिन हर बार निर्मलनगर गांव में अवैध मिट्टी खनन करने वाले माफिया जिम्मेदारों की पकड़ से क्यों बच निकलते है यह सवाल चर्चा बना हुआ हैं। हालांकि अवैध मिट्टी खनन के मामले में राजस्व उप निरीक्षक ने वर्ग 8 की भूमि के स्वामी सुखलाल आदि को अवैध मिट्टी खनन मामले में नामजद करते हुए जुर्माने की रिपोर्ट तैयार की है। अवैध मिट्टी खनन के मामले में जुर्माना वसूली सशर्त होने के बाद कुछ हद तक लगाम लग सकती है। लेकिन संभावना है कि मिट्टी माफियाओं का गठजोड़ प्रशासन की पकड़ को कही ढीला न कर दे। अब स्थिति यह है कि अवैध मिट्टी खनन के मामले में पहल होने के बाद मिट्टी माफिया बचने की जुगत में तिकड़म फैलाने में जुटे हुए हैं। माफियाओं के ग्रुप के लोग जुर्माना रिपोर्ट बनने के बाद सरकारी विभागों के इर्द गिर्द घूमते फिरते नजर आएं। लेकिन स्थानीय प्रशासन इस बार अवैध मिट्टी खनन माफियाओं पर क्या कार्रवाई करता है

शक्तिफार्म की सड़कों में हादसों का खौफ

सितारगंज अवैध मिट्टी खनन के वाहन शक्ति फार्म क्षेत्र की सड़कों में सरपट दौड़ रहे हैं। सुबह के समय अवैध मिट्टी ढोने वाले वाहनों की मुख्य और गांव की सड़कों में कतारें लगी रहती हैं। जिस वजह से सड़कों में हादसों का खतरा बना रहता है। अभिभावक स्कूल खुलने और बंद होने के समय बच्चों की सुरक्षा को लेकर दहशत में जी रहे हैं। पूर्व में भी अवैध मिट्टी खनन के बहनों से शक्ति फार्म क्षेत्र में कई हाथ से हो चुके हैं। जिसमें कई परिवारों के चिराग बुझ गए हैं।

एसएसपी के निर्देश पर पुलिस ने दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

विशेष गरिमा

सितारगंज (दीपक भारद्वाज) । महिला काउंसलिंग सैल काउंसलिंग के बाद एसएसपी के निर्देश पर पुलिस ने दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया है। पहाड़ी उकरोली सिडकुल निवासी एक महिला ने बताया कि उसका विवाह राजकुमार पुत्र हरेन्द्र प्रसाद ग्राम बग्धा झनकईया खटीमा के साथ वर्ष 2015 में हुआ था। इसके बाद पति, सास चिन्ता देवी, ससुर हरेन्द्र प्रसाद, देवर संजय कुमार व भीम सिंह, ननद काजल, रोशनी दहेज में बाइक और तीन लाख रुपये की मांग करने लगे। बेटी के होने के बाद उत्पीड़न बढ़ने लगा। दोबार गर्भवती होने पर गर्भपात कराने का आरोप लगाया। आरोप है कि 24 जून को पति ने जान से मारने की नीयत से हमला किया एसएसआई विक्रम सिंह धामी ने बताया कि पुलिस ने पति समेत ससुरालियों पर केस दर्ज कर लिया गया है

चेटीचंड सिंधी मेला समिति द्वारा 141 विशिष्ट जनों का सम्मान

सी ए इंटरमीडिएट में प्रथम स्थान प्राप्त नेहा खानवानी को भी किया सम्मानित

विशेष गरिमा

जयपुर । चेटीचंड सिंधी मेला समिति, महानगर जयपुर के चेटीचंड 2025 कार्यक्रमों का समापन और सम्मान समारोह मालवीय नगर स्थित पाथेय भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान झूलेलाल के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर हुई.अध्यक्ष दिलीप हरदासानी ने मुख्य अतिथि अशोक परनामी का शॉल पहना कर स्वागत किया.सिंधी संस्कृति को बढ़ावा देने वाले और विगत चेटीचंड पखवाड़ा के कार्यक्रमों में विशेष योगदान देने वाले 141 समाज बन्धुओं को सम्मानित किया गया.सम्मानित होने वालों में कार्यकारिणी सदस्य, पदाधिकारी, सहयोगी संस्थाओं के सदस्य, पंचायतों के मुखिया गण सम्मिलित थे। प्रवक्ता तुलसी संगतानी ने बताया की सिंधु सपूत अवार्ड जेठानन्द नंदवानी को,सिंधु गौरव अवार्ड मोहन नानकानी को,सिंधु रत्न अवार्ड मनोहर राजानी को और सिंधु वीर अवार्ड नानकराम थावानी को दिए गए। सर्वश्रेष्ठ कार्यकर्ता पुरस्कार कमल आसवानी को, सर्वोत्तम कार्यकर्ता पुरस्कार दीपक दुलानी को, अद्वितीय कार्यकर्ता दिलीप भूरानी को और विशेष पुरस्कार दिलीप पारवानी को प्रदान किया गया। चेटीचंड शोभायात्रा में निकाली गई में कलात्मक झांकियों में भारतीय सिंधु सभा, पूज्य सिंधी पंचायत जयसिंहपुरा खोर, पूज्य सिंधी पंचायत आमेर को सम्मानित किया गया.सजीव झांकियों में पूज्य पंचायत नाहरी का नाका, जय सिंह सेठिया, पूज्य सिंधी पंचायत मुरली पुरा को भी पुरस्कार दिए गए। पूरे देश में सी. ए. इंटर मीडिएट में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर नेहा खानवानी को विशिष्ट पुरस्कार दिया गया।

प्रसिद्ध कलाकार मनोज मामनानी ने सिंधी संगीत की सरिता बहाई।

भाजपा मुख्यालय धौलपुर पर 'युवा सम्मेलन' का आयोजन

युवा स्वरोजगार अपना कर बने आत्मनिर्भरः राजवीर सिंह राजावत

विशेष गरिमा

धौलपुर । भारतीय जनता पार्टी जिला मुख्यालय धौलपुर पर युवा सम्मेलन का आयोजन हुआ। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री राजवीर सिंह राजावत की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यकम का शुभारंभ पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, जिला अध्यक्ष राजवीर सिंह राजावत, धौलपुर विधानसभा प्रत्याशी डॉ शिवचरण सिंह कुशवाह,युवा सम्मेलन संयोजक डॉ मनोज कुमार शर्मा सह संयोजक जयवीर सिंह पोसवाल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत माता के चित्र पर दीपप्रज्यलित एवं माल्यार्पण कर किया कार्यक्रम में भारत माता की सेवा और सम्मान के लिए संकल्प के दिलवाया गया कि सभी देशवासी अपने दैनिक जीवन में भारतीय उत्पादों का ही उपयोग करेंगे एवं आयातित वस्तुओं की जगह देसी विकल्प को अपनाएंगे ।

इस सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मोतीलाल मीणा, भाजपा नेता डॉ. शिवचरण कुशवाह रहे।

कार्यक्रम में सम्मेलन के जिला संयोजक डॉ. मनोज शर्मा, जिला सह-संयोजक श्री जयवीर पोसवाल, श्री गगन बघेल, जिला महामंत्री श्री मदन कोली, जिला मंत्री श्री विजय त्यागी , धीर सिंह जादौन,हरेंद्र सिंह राव, मुकेश कुमार हनुमानपूरा, राहुल सिंह राणा, गुड्डी मौर्या,राजा भैया, योगेश प्रताप सिंह जादौन, नन्द किशोर शुक्ला, विवेक रावत, लक्की राणा,सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं अन्य क्षेत्रीय युवा साथी उपस्थित रहें।

पैसों के लेनदेन झगड़े से परेशान बुजुर्ग ने खाया जहर, इलाज के दौरान मौत

परिजनों ने पड़ोसी पर लगाया आरोप

विशेष गरिमा

केशोरायपाटन(मुकेश जैन) । केशोरायपाटन थाना क्षेत्र के ईश्वर नगर इलाके में पड़ोसी विवाद और पैसों के लेनदेन के चलते रामकुमार बैरवा 60 वर्षीय बुजुर्ग ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के बेटे हंसराज ने बताया कि कुछ समय पहले एक महिला को लेकर विवाद हुआ था, जिसने उनके बेटे पर झूठा आरोप लगाया गया। बाद में पड़ोसियों ने आपसी समझौते के नाम पर आठ लाख रुपए की मांग की। रुपए न देने पर परिवार पर लगातार दबाव बनाया गया और झगड़ा भी हुआ।इसी मानसिक तनाव के चलते रामकुमार ने 2 दिसंबर को अपने खेत में जाकर जहर खा लिया। अचेत अवस्था में उन्हें कोटा के एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान बुधवार को उनकी मौत हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही केशोरायपाटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को एमबीएस अस्पताल के पोस्टमॉर्टम रूम में रखवाया।थाना अधिकारी हंसराज मीणा ने बताया कि यह आपसी विवाद का मामला है। मृतक के परिजनों की रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक,मुद्रक एवं संपादक सुरेन्द्र शर्मा के लिए स्काईटेक प्रिंटर्स से मुद्रित एवं 11 अयोध्याधाम, लक्ष्मीनगर निवारूरोड जयपुर से प्रकाशित। फोन नंबर :- 9314017636, पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार। E-MAIL-visheshgarima@gmail.com